प्रदेश के विकास की रीढ़ बनेंगे निवेश और डिफेंस इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर

यूपी में अबतक 45 लाख करोड़ के निवेश का प्रस्ताव 15 लाख करोड़ धरातल पर

लखनऊ। विकसित यूपी @2047 के अंतर्गत प्रदेश को 60 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें निवेश और रक्षा उद्योग दो ऐसे स्तंभ हैं, जो न केवल प्रदेश की समृद्धि बल्कि पूरे देश की आत्मनिर्भरता का आधार बनेंगे।

बीते साढ़े आठ साल में यूपी को 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 15 लाख करोड़ से अधिक को धरातल पर उतारा जा चुका है। इसके परिणामस्वरूप 60 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार व लाखों परिवारों को स्वरोजगार मिला है। फरवरी 2024 में आयोजित भूमि पूजन समारोह के दौरान ही 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन शुरू हुआ।

यूपी ने उद्यमियों के लिए 33 सेक्टरल नीतियां लागू कीं और 'निवेश मित्र' जैसे डिजिटल प्लेटफार्म को शुरू किया। हरदोई-कानपुर में लेदर क्लस्टर, गोरखपुर में प्लास्टिक पार्क और कन्नौज में परफ्यूम पार्क प्रदेश को उद्योग का नया हब बना रहे हैं।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने यूपी को सामरिक मजबूती का केंद्र बना दिया है। यूपी में अब तक 170 से अधिक एमओयू साइन हुए हैं, जिनसे 28 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश और 4600 से अधिक रोजगार का रास्ता साफ हो चुका है।

सबसे बड़ी उपलब्धि है, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन, जो प्रदेश को वैश्विक स्तर पर रक्षा उत्पादन का हब बनाएगा। सरकार ने रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आईआईटी कानपुर और आईआईटी बीएचयू से समझौता किया है। ब्यूरो